

आये मेरी माँ के पावन नवराते



आये मेरी माँ के,
पावन नवराते,
घर घर मे होंगे,
मैया के जगराते,
आये मेरी माँ के,
पावन नवराते।bd।

तर्ज - छू कर मेरे मन को।

दर्श बिना मुझको,
आये न माँ अब चेन,
माँ तुमसे मिलने को,
तेरा लाल हुआ बेचैन,
गिन गिन के गुजारे,
माँ हमने दिन राते,
आये मेरी माँ के,
पावन नवराते।bd।

जिस घर आये माँ,
उस घर का भाग्योदय,
छाये वहाँ खुशहाली,
ये कहता है अजय,
दिलबर माँ के दर से,
पाई है सौगाते,
आये मेरी माँ के,
पावन नवराते।bd।

आये मेरी माँ के,
पावन नवराते,
घर घर मे होंगे,
मैया के जगराते,
आये मेरी माँ के,
पावन नवराते।bd।

गायक - श्री अजय गरवाल नागदा।

रचनाकार - दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>